सत्र 2026–27

पाठ्यक्रम का मासिक विभाजन

कक्षा–11

विषय–संगीत गायन

क्रमांक	माह	पाठ्यक्रम
1	अप्रैल	शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा सप्तक की परिभाषा एवं सप्तक का तारत्व (पिच) तीव्रता और गुण। राग भीमपलासी पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह, पकड़।
2	मई	स्वर की परिभाषा शुद्ध और विकृत स्वर/श्रुतियों, शुद्ध स्वरों का आन्दोलन और तार पर शुद्ध स्वरों का स्थान। राग भीमपलासी का आलाप, छोटा ख्याल, स्वरलिपि कुछ तानों सहित, तीनताल का परिचय ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।
3	जून	**ग्रीष्मावकाश**
4	जुलाई	श्रुतियां, आलाप, तान, मुर्की, कण, कम्पन मींड़, गमक, तानों के प्रकार (छूट, सपाट, अलंकारिक आदि)। गीतों की शैलियां–ध्रुपद, तराना, सरगम गीत, भजन की परिभाषा उदाहरण सहित। स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास और भेद। कठिन अलंकारों की रचना। झपताल का परिचय ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। राग गौड़ सारंग का सामान्य अध्ययन परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़ एवं छोटा ख्याल स्वरलिपि सहित लिखने एवं गाने का अभ्यास। **प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) जुलाई द्वितीय सप्ताह। 20 अंक (10 अंक ग्रीष्मावकाश गृह कार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)**
	अगस्त	त्रिवट, चतुरंग, रागमाला, होली की परिभाषा उदाहरण सहित। राग भैंरव विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, एक द्रुत ख्याल उचित तान, मुर्की, अन्य लयपूर्ण तालबद्ध विस्तार के साथ उसको गाने की योग्यता। आरोह, अवरोह, पकड़, वक्र, वज्य स्वर की परिभाषा। घरानों का संक्षिप्त अध्ययन। तानसेन एवं शारंग देव का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान। **द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) अगस्त अन्तिम सप्ताह। 20 अंक**

6	सितम्बर	नाद, स्वर का आलोचनात्मक अध्ययन। सम्वादी, अनुवादी, विवदी स्वर की पूर्ण जानकारी। राग हिं डोल का सामान्य अध्ययन, परिचय, आरोह, अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल की स्वरलिपि को गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। गीतों के आलाप तान बोल तान सहित लिपिबद्ध करने की योग्यता। अमीर खुशरो एवं पं0 भीम सेन जोशी का जीवन परिचय एवं संगीत में योगदान। एकताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास।
7	अक्टूबर	नाद की परिभाषा एवं विशेषतायें। राग बहार का सामान्य अध्ययन परिचय आरोह, अवरोह, पकड़ एवं एक छोटा ख्याल इसकी स्वरलिपि जिसको लिखने, गाने एवं राग पहचानने की योग्यता। चारताल का पूर्ण परिचय, ठेका, दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। छोटे स्वर समूहों के आधार पर रागों को पहचानना और उसकी बढ़त करना। उक्त रागों के गीतों में कम से कम एक ध्रुपद, एक विलम्बित ख्याल तथा एक तराना होगा। ध्रुपद में दुगुन, तिगुन और चौगुन गाने तथा लिखने की क्षमता होनी चाहिये। **अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन (लगभग 60% पाठ्यक्रम के आधार पर)**
8	नवम्बर	भारतीय संगीत में आ शु रचना का स्थान। भारतीय संगीत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (प्राचीन काल) **तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित) नवम्बर अन्तिम सप्ताह। 20 अंक**
9	दिसम्बर	राग माल कौंस–विस्तृत अध्ययन पूर्ण परिचय आरोह, अवरोह, पकड़, आलाप, छोटे ख्याल की स्वरलिपि लिखने एवं पूर्वांगायकी के साथ गाने का ज्ञान। रागों में थोड़ी स्वतन्त्रता के साथ आशु रचना करने की योग्यता। किशोरी अमोनकर, गंगू बाई हंगल का जीवन परिचय एवं संगीत जगत में योगदान। प्रयोगात्मक परीक्षा के लिये प्रस्तावित पाठ्यक्रम में रागों की विशेषता। पाठ्क्रम के समस्त रागों की बंदिशों की स्वरलिपि लिखने का अभ्यास एवं सभी तालों को एकगुन, दुगुन, तिगुन, चौगुन को लिखने एवं हाथ पर ताली देकर बोलने का अभ्यास। **चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित) दिसम्बर अन्तिम सप्ताह। 20 अंक**
10	जनवरी	सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

11	फरवरी	वार्षिक गृह परीक्षा का आयोजन। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।
12	मार्च	प्रगति पत्र का वितरण